सम्पादकीय

विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित मासिक शोधपत्रिका का वर्ष 2021 का सप्तम अंक आपके करकमलों में अर्पित करते हुए अत्यधिक हर्ष का अनुभव हो रहा है। भारतीय धर्म-संस्कृति के शोधलेखों का यह संग्रह विद्वानों द्वारा सराहा जा रहा है। विद्वानों द्वारा नियमित भेजे जा रहे शोधलेख हमारा मनोबल बढ़ा रहे हैं व पत्रिका के महत्त्व को भी आलोकित कर रहे हैं। पूर्व अंकों में सभी उच्चस्तरीय विद्वानों के लेख प्रकाशित हुए हैं।

इस अंक में सर्वप्रथम प्रो. (डॉ.) ताराशंकर पाण्डेय विरचित श्रीगायत्रीस्तोत्रसप्तकम् प्रातः स्मरण एवं सूर्योपासना की दृष्टि से अत्यन्त महत्त्वपूर्ण रचना है। तत्पश्चात् महामण्डलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वरपुरी जी द्वारा लिखित 'दैनिक जीवन में योग-एक पद्धति' लेख भारतीय योगविज्ञान विषयक प्रेरणा प्रदान करता है। स्वामी जी ने योग को शरीर बुद्धि चेतना एवं आत्मा के विज्ञान के रूप में प्रतिष्ठापित किया है, जो इस भारतीय पुराविद्या के गौरव से अवगत कराता है। तृतीय लेख देवर्षि कलानाथ शास्त्री द्वारा लिखित 'प्राचीन भारत में वृष्टि एवं अनावृष्टि' विषयक है। इसमें वृष्टिविज्ञान विषयक मानकों के सन्दर्भ में लोकप्रवृत्ति पर व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत हुआ है। डॉ. रामदेव साहू द्वारा लिखित 'शेषनाग एवं शेषशायी नारायण' लेख में ब्रह्माण्ड के मूलाधार शेषनाग के वैज्ञानिक स्वरूप को बतलाया गया है। तत्पश्चात् डॉ. दयाराम स्वामी के लेख 'श्रीमद्दादूदर्शनम्' में जीवब्रह्मविषयक दार्शनिक चिन्तन का प्रस्तुतीकरण हुआ है। 'प्रेम की भावदशा' संजीवकुमार माथुर द्वारा प्रस्तुत बोधकथा है, जो प्रेम के व्यावहारिक स्वरूप को समझाने के उद्देश्य से लिखी गयी है। इसके अनन्तर डॉ. वत्सला द्वारा लिखित 'हिन्दी सिनेमा एवं गाँधी' लेख में राष्ट्रपिता महात्मा गान्धी के जीवन दर्शन की प्रस्तुति में सिनेमा के योगदान को दर्शाया गया है। श्री नवीन कुमार जग्गी द्वारा लिखित 'सुचिन्द्रम्' लेख भारतीय संस्कृति के आदर्श तीर्थस्थान के समग्र परिचय को उपस्थापित करता है। अन्त में डॉ. नारायणशास्त्री काङ्कर के 'राष्ट्रोपनिषत् प्रस्तावना शतकम्' के कतिपय पद्य प्रकाशित किये गये हैं, जो गुरुशिष्यपरम्परा के गौरव को प्रदर्शित करने के साथ साथ आत्मचिन्तन की प्रेरणा प्रदान करने वाले हैं।

आशा है, सुधी पाठक इन्हें रुचिपूर्वक हृदयंगम करने में अपना उत्साह पूर्ववत् बनाये रखेंगे।

शुभकामनाओं सहित....

सम्पादक

डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा